

डॉ. रोजर ग्रीन, अमेरिकी ईसाई धर्म, सत्र 2 6, कट्टरवाद, भाग 2

© 2024 रोजर ग्रीन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. रोजर ग्रीन हैं जो अमेरिकी ईसाई धर्म पर अपनी शिक्षा दे रहे हैं। यह सत्र 26 है, कट्टरवाद, भाग 2।

यदि आपके पास अपना पाठ्यक्रम है, तो मैं पाठ्यक्रम के पृष्ठ 16 पर हूँ, इसलिए यह कट्टरवाद और इंजीलवाद है।

हम इसी बारे में बात कर रहे हैं। हम सबसे पहले अमेरिकी कट्टरवाद के बारे में बात कर रहे हैं, और हमने काफी लंबी पृष्ठभूमि दी है। फिर, अमेरिकी कट्टरवाद के तीन व्यापक आंदोलन हैं। हम डॉ. हिल्डेब्रांट के आभारी हैं जो डिस्पेंसेशनल प्रीमिलेनियलिज्म और उस सब के बारे में बात कर रहे हैं, और हमने कहा कि यह इतिहास की आधुनिक समझ और इसी तरह की अन्य बातों की एक तरह की दर्पण छवि है।

फिर हमने पवित्रता आंदोलन के बारे में बात की, और हमने कहा कि पवित्रता आंदोलन एक तरह से नैतिकता की आधुनिक समझ का प्रतिबिम्ब है। पवित्रता आंदोलन नैतिकता और हृदय की पवित्रता पर जोर देता है, लेकिन यह केवल ईश्वर की कृपा से ही आ सकता है। यह किसी की व्यक्तिगत उपलब्धियों से नहीं आता है।

तो, हमने पवित्रता आंदोलन के बारे में बात की। मुझे लगा कि निक्की ने पवित्रता आंदोलन के बारे में कुछ सवाल पूछा था, और यह कक्षा के बाद था कि मुझे लगा कि इसका एक जवाब मैंने नहीं दिया था, इसलिए मैं इसे अभी देना चाहता हूँ। क्या पवित्रता आंदोलन में ऐसे लोग थे जो पूर्णतावाद के विचार पर वेस्ले से आगे थे, और पवित्रता आंदोलन में ऐसे लोग थे जिन्होंने कहा कि जब आप ईश्वर द्वारा पवित्र किए जाने के बाद पवित्र हो जाते हैं, तो आप फिर कभी पाप नहीं कर सकते। आपके लिए पाप करना असंभव होगा।

इसे पाप रहित पूर्णता सिद्धांत कहा जाता था। बेशक, जॉन वेस्ले और उनके अनुयायियों ने इसे नकार दिया क्योंकि हमारे पास हमेशा स्वतंत्र इच्छा होगी, इसलिए हम हमेशा ईश्वर को न भी कह सकते हैं और ईश्वर को हाँ भी। लेकिन पूर्णतावादी लोग और पूर्णतावादी समूह भी थे।

अमेरिका में ईसाई धर्म का शब्दकोश, जिसे मैं जानता हूँ कि आप में से कुछ लोग अपने शोधपत्रों के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं, सालों पहले, जब इसे एक तरह से तैयार किया गया था, तो उन्होंने मुझसे इसके लिए कुछ लेख लिखने के लिए कहा और उन्होंने मुझसे जो लेख लिखने के लिए कहा, उनमें से एक पूर्णतावाद पर लेख था, और मैंने उस लेख में इस बात पर जोर देने की कोशिश की कि ईसाई पूर्णता या पूर्ण प्रेम के इस विचार को लोगों ने वास्तव में पीछे छोड़ दिया है, और इसलिए यह आंदोलन में भी एक वास्तविक दोष होगा, उस तरह की पापहीन पूर्णता वाले

लोग। लेकिन हमने पवित्रता आंदोलन और उसके बारे में बात की। मुझे लगता है कि हमने शायद अभी-अभी पेंटेकोस्टलिज़्म पर शुरुआत की है।

मुझे लगता है कि शायद मुझे केवल यही कहना था कि पेंटेकोस्टलिज़्म भी एक दर्पण छवि है। यह धार्मिक अनुभव की एक दर्पण छवि है क्योंकि हमने शास्त्रीय प्रोटेस्टेंट उदारवाद के जनक फ्रेडरिक श्लेयरमाकर के साथ उल्लेख किया था, धार्मिक अनुभव पर वास्तव में जोर दिया गया था, यीशु इसके लिए एक महान मॉडल या उदाहरण बन गए। पेंटेकोस्टलिज़्म आता है और कहता है, हम धार्मिक अनुभव में विश्वास करते हैं, लेकिन यह ऐसा धार्मिक अनुभव नहीं है जिसे मनुष्य किसी तरह से जुटा सके।

यीशु को देखकर, मैं अपने जीवन में भी ऐसा ही कर सकता हूँ। वह धार्मिक अनुभव, जो पेंटेकोस्टलिज़्म के लिए महत्वपूर्ण है, पेंटेकोस्टलिज़्म के लिए एक महत्वपूर्ण चिह्न है, लेकिन यह केवल पवित्र आत्मा के कार्य से आता है, इसलिए यह केवल ईश्वर द्वारा आता है। मुझे लगता है कि हम यहाँ तक ही पहुँच पाए हैं।

पेंटेकोस्टलिज़्म एक और चीज है जिसके बारे में हम बताएंगे। मैं पेज 16ए, फंडामेंटलिज़्म पर हूँ और हम 2सी, पेंटेकोस्टलिज़्म पर हैं। एक और बात यह है कि पेंटेकोस्टलिज़्म एक तरह से पांच अलग-अलग धाराओं या सोच के पांच अलग-अलग क्षेत्रों या अलग-अलग परंपराओं का एक साथ जुड़ना था। इसलिए, मैं उन पांच चीजों का उल्लेख करूँगा जो पेंटेकोस्टलिज़्म के रूप में जानी जाने वाली चीज को आकार देने के लिए एक साथ आईं।

सबसे पहले, विश्वासी के जीवन में जीवन-परिवर्तनकारी अनुभव के रूप में संपूर्ण पवित्रीकरण पर जोर दिया गया था। अब, हमने निश्चित रूप से संपूर्ण पवित्रीकरण के बारे में वेस्ले के दृष्टिकोण को देखा है। जो लोग थे, जिन्हें हम पेंटेकोस्टल कहेंगे, उन्होंने इसे अपनाया।

तो यह एक तरह की धारा है जिसने पेंटेकोस्टलिज़्म को आकार देने और बनाने में मदद की। नंबर दो, निश्चित रूप से, व्यक्ति और समूह पर पवित्र आत्मा के सशक्तिकरण पर बहुत जोर दिया गया था। इसलिए, हम पेंटेकोस्टलिज़्म में इसे देखेंगे जब हम इसके इतिहास को देखेंगे।

लेकिन पवित्र आत्मा की शक्ति पर बहुत जोर दिया गया, व्यक्ति को सशक्त बनाना, समूह को सशक्त बनाना, इत्यादि। नंबर तीन, आप इस बात से आश्चर्यचकित नहीं होंगे, लेकिन पेंटेकोस्टलिज़्म डिस्पेंसेशनल प्रीमिलेनियलिज़्म से बहुत प्रभावित था। यह मूल रूप से इतिहास को डिस्पेंसेशनल प्रीमिलेनियलिस्ट के समान ही लेंस के माध्यम से देखता था।

तो यह पेंटेकोस्टलिज़्म में आता है और इसकी नींव का एक और हिस्सा बनता है। नंबर चार वास्तव में एक नया, माफ कीजिए, आस्था उपचार का धर्मशास्त्र है। जैसा कि हम देखेंगे, आस्था उपचार प्रारंभिक पेंटेकोस्टल परंपरा में बहुत महत्वपूर्ण हो गया और उस परंपरा का एक चिह्न बन गया।

तो, आस्था उपचार का एक नया धर्मशास्त्र। नंबर पांच वह है जिसका हमने पाठ्यक्रम में पहले भी उल्लेख किया है, लेकिन शायद तब से बहुत अधिक उल्लेख नहीं किया है। पेंटेकोस्टलिज़्म

वास्तव में एक पुनर्स्थापनावादी परंपरा थी। पेंटेकोस्टलिज्म ने खुद को आदिम चर्च और आदिम चर्च के जीवन, आदिम चर्च की शक्ति और आदिम चर्च के चमत्कारों को पुनर्स्थापित करने के रूप में देखा।

तो, यह एक पुनर्स्थापनावादी आंदोलन है। तो, यह पेंटेकोस्टलिज्म के रूप में भी जाना जाता है। तो बहुत, जाहिर है बहुत महत्वपूर्ण, यह आंदोलन जैसे-जैसे आकार लेना और आकार लेना शुरू करता है।

अब, अक्सर पेंटेकोस्टलिज्म के जनक, क्षमा करें, चार्ल्स फॉक्स परम नाम के एक व्यक्ति के रूप में जाने जाते हैं। और यह एक अखबार की विज्ञापित में परम की एक तस्वीर है। और चार्ल्स फॉक्स परम के बारे में बस कुछ बातें।

चार्ल्स फॉक्स परम एक तरह से मध्यपश्चिमी प्रचारक और आस्था उपचारक थे, जो एक जगह से दूसरी जगह यात्रा करते थे। वह एक तरह से घुमंतू प्रचारक थे। उनके उपदेश और शिक्षा का एक हिस्सा यह था कि सभी ईसाइयों को पवित्र आत्मा द्वारा बपतिस्मा लेना चाहिए।

न केवल उन्हें पवित्र आत्मा द्वारा बपतिस्मा दिया जाना चाहिए, बल्कि उस बपतिस्मा का एक निश्चित संकेत भी होना चाहिए। यदि आप वास्तव में पवित्र आत्मा द्वारा बपतिस्मा लेते हैं, तो आप अन्य भाषाओं में बोलेंगे। और इसलिए चार्ल्स फॉक्स परम, मुझे लगता है, एक बहुत ही करिश्माई किस्म का व्यक्ति है, जो मुख्य रूप से मध्यपश्चिम में घूमता है, पवित्र आत्मा की शक्ति के सिद्धांत का प्रचार और शिक्षा देता है, अन्य भाषाओं में बोलता है।

और यह पेंटेकोस्टलिज्म की शुरुआत थी। हुआ यह कि 1914 में एक संप्रदाय ने आकार लिया, एक संप्रदाय ने आकार लिया, और इसे असेंबली ऑफ गॉड कहा गया। आप में से कुछ लोग असेंबली ऑफ गॉड का हिस्सा हो सकते हैं।

और यह सबसे बड़ा और सबसे प्रमुख पेंटेकोस्टल संप्रदाय बन गया। चार्ल्स फॉक्स परम उन लोगों में से एक थे जिन्होंने असेंबली ऑफ गॉड को आकार देने में मदद की। मुझे लगता है कि शायद आज भी यह पेंटेकोस्टल संप्रदायों में सबसे बड़ा है।

ऐसा तब होता है जब असेंबली ऑफ गॉड का गठन होता है, अन्य समूह, अन्य पेंटेकोस्टल, छोटे संप्रदाय समूह बनने लगते हैं। और उनका भी वही जोर है जो चार्ल्स फॉक्स परम और असेंबली का था। इसलिए, बहुत से छोटे संप्रदायों पर जोर अन्य भाषाओं में बोलने, आस्था उपचार और उनमें से कई के लिए, सभी नहीं, लेकिन उनमें से कई के लिए, मसीह की आसन्न वापसी पर है।

मसीह आज वापस आ रहे हैं, और उन्होंने उस परंपरा को जीवित रखा है। तो यही पेंटेकोस्टलिज्म को आकार देता है। तो, तीन व्यापक आंदोलन, डिस्पेंसेशनल प्रीमिलेनियलिज्म, आपके पास वह समूह है, फिर आपके पास पवित्रता वाले लोग हैं, और फिर आपके पास पेंटेकोस्टल लोग हैं।

और ये तीन आंदोलन वास्तव में उस चीज की नींव रखते हैं जिसे हम अमेरिकी कट्टरवाद कहते हैं। अब, जैसा कि आप अपने पाठ्यक्रम में देख सकते हैं, यह धार्मिक अभिव्यक्ति और संप्रदायों और धार्मिक समूहों के गठन के मामले में बहुत स्वतंत्रता का समय था। स्वतंत्रता पर अमेरिकी जोर ने वास्तव में लोगों में इसे स्थापित करने में मदद की।

तो, जैसा कि मैं कहना चाहता हूँ, अमेरिकी कट्टरपंथ के साथ जो कुछ भी चल रहा था, उस समय हवा में कुछ ऐसा था जिसके कारण अन्य लोग जो कट्टरपंथी प्रतीत होते थे, वे एक तरह से आकार ले रहे थे। इसलिए हम उनमें से दो के बारे में बात करने जा रहे हैं। हम मैरी बेकर एडी और ईसाई विज्ञान के गठन के बारे में बात करने जा रहे हैं।

हम यहोवा के साक्षियों के बारे में भी बात करेंगे, जिसके बारे में हम पहले ही दूसरे व्याख्यान में बात कर चुके हैं। लेकिन वे विभिन्न प्रकार के सामाजिक समूहों को आकर्षित करते हैं। और इसलिए हम मैरी बेकर एडी और ईसाई विज्ञान से शुरुआत करेंगे।

बहुत रोचक है। आपको उसकी तारीखें मिल गई हैं। मैरी बेकर एडी में, उसके जीवन के बारे में एक लंबी कहानी है, वह बहुत बीमार हो गई और चमत्कारिक ढंग से ठीक हो गई।

और मैरी बेकर एडी के उस चमत्कारी उपचार से, उन्होंने 1879 में क्रिश्चियन साइंस नामक एक आंदोलन की शुरुआत की। और यहाँ भी, अमेरिकी ईसाई धर्म में महिलाएँ अक्सर हाशिये पर होती हैं क्योंकि मुख्य चर्च और संप्रदाय महिलाओं को प्रार्थना करने, उपदेश देने और दीक्षा लेने आदि की अनुमति नहीं देते हैं। इसलिए वे अक्सर मुख्य चर्च से अलग, हाशिये पर जगह पाती हैं, और मैरी बेकर एडी के साथ भी ऐसा ही हुआ।

वह ईसाई विज्ञान आंदोलन की संस्थापक थीं। अब, ईसाई विज्ञान एक आंदोलन है। यह एक तरह का प्रोटेस्टेंट उदारवाद है।

अगर आप ईसाई विज्ञान के साथ एक शब्द जोड़ना चाहते हैं, तो वह शब्द होगा आदर्शवाद। यह एक बहुत ही आदर्शवादी आंदोलन था। यह लगभग ज्ञानवादी है।

अगर आप पहली और दूसरी सदी में वापस जाएं, तो यह लगभग एक गूढ़ज्ञानवादी आंदोलन है। क्योंकि मैरी बेकर एडी की शिक्षाओं के माध्यम से ईसाई विज्ञान ने पदार्थ, पाप, बीमारी और मृत्यु की वास्तविकता को नकार दिया। इसने उन चीजों से इनकार किया, कि वे वास्तविक दुनिया नहीं थीं।

एकमात्र वास्तविक दुनिया आध्यात्मिक दुनिया थी। और इसलिए, अगर आप बीमार पड़ते हैं, तो आपको यह महसूस करना होगा कि आपकी बीमारी, कम से कम मैरी बेकर एडी के लिए, आपकी बीमारी एक गलत विश्वास का परिणाम है। उस बीमारी से उबरने के लिए, आपको एक उचित समझ, एक उचित विश्वास और ईसाई धर्म के बारे में एक उचित समझ होनी चाहिए।

और इसलिए, आप किसी मेडिकल डॉक्टर के पास नहीं जाएंगे, बल्कि आप किसी ईसाई विज्ञान व्यवसायी के पास जाएंगे। ईसाई विज्ञान व्यवसायी आपकी बीमारी और अन्य चीजों पर काबू पाने

में आपकी मदद करने के लिए प्रशिक्षित होते हैं। तो, यह वास्तविकता का एक प्रकार का ज्ञानवादी आदर्शवादी इनकार है।

और आध्यात्मिक दुनिया ही एकमात्र वास्तविकता है। बहुत, बहुत दिलचस्प। अब, ईसाई विज्ञान ने धनी, प्रभावशाली और बुद्धिजीवियों को आकर्षित किया।

ईसाई विज्ञान की यही सबसे बड़ी अपील थी। उन्हें इस तरह का दार्शनिक आदर्शवाद बहुत आकर्षक लगा। क्योंकि यह उन्हें पसंद आया, इसलिए इन लोगों ने इस आंदोलन को आर्थिक रूप से समर्थन दिया।

तो, हम अपनी दूसरी फील्ड टिप पर जा रहे हैं, सबसे पहले हम क्रिश्चियन साइंस चर्च जाएंगे। और हम न केवल वर्तमान चर्च देखेंगे, बल्कि हम उस मंदर चर्च को भी देखेंगे जो 19वीं सदी के अंत में बनाया गया था, जब मैरी बेकर एडी, बेशक, अभी भी जीवित थीं और उन्होंने उस मंदर चर्च के निर्माण की देखरेख की थी। यह एक बहुत ही दिलचस्प अनुभव है।

जब आप वहाँ जाएँ तो कुछ चीजें आपको ध्यान में रखनी चाहिए, मुझे लगता है कि आप में से एक या दो लोग वहाँ गए हैं, है न? क्रिश्चियन साइंस चर्च में? चर्च के अंदर ही आपको एक टूर और सब कुछ मिलता है। तो, चर्च के आस-पास ही। जब हम वहाँ जाएँगे तो आपको कुछ चीजें ध्यान में रखनी चाहिए।

सबसे पहले, प्रूडेंशियल सेंटर के ठीक ऊपर डाउनटाउन बोस्टन में बहुत ज़्यादा संपत्ति है। इसका भुगतान उसी दिन किया गया था जिस दिन संपत्ति का निर्माण हुआ था। इसलिए, ये लोग अपने चर्च का बहुत-बहुत अच्छा समर्थन करते हैं।

लेकिन दूसरी बात जिस पर आपको ध्यान देना चाहिए, वह यह है कि पूरे परिसर में बहुत सारे शास्त्र के श्लोक होंगे। बहुत सारे शास्त्र के श्लोक होंगे। लेकिन हर शास्त्र के श्लोक के ठीक बगल में मैरी बेकर एडी की शिक्षाएँ होंगी।

ये चीजें बराबर हैं। और आप दृष्टिगत रूप से ऐसा नहीं कर सकते, जो आपको दृष्टिगत रूप से प्रभावित करता है, कि यीशु का एक उद्धरण होगा और फिर मैरी बेकर एडी का एक उद्धरण होगा। अब, जब आप चर्च में जाते हैं तो यह भी होता है कि आप ध्यान देना चाहते हैं, और मुझे लगता है कि जो व्यक्ति हमारा नेतृत्व करेगा वह इस बारे में बात करेगा।

जब आप चर्च में जाते हैं, तो आप ध्यान देना चाहेंगे कि उस चर्च में दो पुलपिट हैं। और वे दोनों बराबर हैं, बराबर आकार और सब कुछ बराबर है। और एक पुलपिट पर बाइबल रखी है।

और दुनिया भर के हर क्रिश्चियन साइंस चर्च में, उस रविवार की सुबह वही बाइबिल का अंश पढ़ा जाएगा। और दूसरे मंच पर मैरी बेकर एडी की किताब है। मैरी बेकर एडी का एक अंश भी पढ़ा जाएगा।

लेकिन आप इसे नज़रअंदाज़ नहीं कर सकते, आप यह नहीं भूल सकते कि वे दो पुलपिट बराबर हैं। और बाइबल और मैरी बेकर एडी की किताब भी बराबर हैं, बराबर शब्द। इसलिए, वह व्याख्याकार हैं, बाइबल के अंशों की सही व्याख्याकार।

और दृश्य रूप से, यह कठिन है, ओह, आप इसे मिस नहीं कर सकते। तो क्रिश्चियन साइंस। तो, हम क्रिश्चियन साइंस देखने जा रहे हैं, हम एक महिला के साथ होंगे, यह वास्तव में नहीं है, मुझे खेद है, यह वही व्यक्ति नहीं है।

मैं कई बार वहाँ गया हूँ और वहाँ एक ही गाइड था। इसलिए, हम एक-दूसरे को जानने लगे हैं। और वह वाकई एक बेहतरीन इंसान थी, लेकिन अब वह उस चर्च में नहीं है।

तो, मुझे नहीं पता कि हम फील्ड ट्रिप के लिए किसे साथ लेकर जाएँगे। हम पता लगा लेंगे। लेकिन चर्च में जाना एक बहुत ही दिलचस्प अनुभव है।

हाँ। एक उपन्यास था, क्या? मुझे नहीं पता, कोई खास उपन्यास, मैरी बेकर एडी द्वारा लिखा गया कुछ नहीं। नहीं, नहीं।

ओह, यह साइंटोलॉजी है। हाँ। यह एक अच्छी बात है, जिसे वे बोलते समय बताएँगे।

वे कहेंगे कि हम साइंटोलॉजी नहीं हैं। और इसीलिए साइंटोलॉजी एक पंथीय चीज़ है। तो, लेकिन आप सही कह रहे हैं, वह साइंटोलॉजी होगी न कि क्रिश्चियन साइंस।

लेकिन हाँ, पोर्टर। वे शायद उस शब्द का इस्तेमाल नहीं करना चाहते, लेकिन वास्तुकला और उनकी धार्मिक सेवाओं में, ऐसा कोई अन्य निष्कर्ष नहीं है जिस पर आप पहुँच सकते हैं क्योंकि आपको बाइबल का पाठ मिलता है, मैरी बेकर एडी का पाठ मिलता है, और बराबर आकार के दो पुलपिट मिलते हैं। और इसलिए, क्या वे वास्तव में वह कदम उठाना चाहेंगे, मुझे यकीन नहीं है।

यह एक ऐसा सवाल है जो हम शायद वहाँ जाकर पूछेंगे। हम देखेंगे कि गाइड कौन है। कुछ गाइड इन सवालों को दूसरों की तुलना में बेहतर तरीके से समझ पाते हैं।

तो, हम देखेंगे कि गाइड कौन है। क्या वे मृत्यु की वास्तविकता से इनकार करते हैं? हाँ। ठीक है।

खैर, मृत्यु का कोई मतलब नहीं है। भौतिक शरीर की मृत्यु इस अर्थ में महत्वहीन है कि यह आपकी आत्मा है जो प्रभु के पास जाती है, आपकी आत्मा जो बच जाती है, और बाकी सब कुछ। इसलिए, वे इस बात से इनकार नहीं कर सकते कि लोग वास्तव में मरते हैं, लेकिन आपके मरने के बाद जो होता है वह वास्तव में उनके लिए महत्वपूर्ण है। अब, समस्या यह है कि, दुर्भाग्य से, या समस्याग्रस्त रूप से, क्रिश्चियन साइंस ने वर्षों से कभी-कभी खुद को परेशानी में डाल लिया है क्योंकि आप, उदाहरण के लिए, आपके पास एक बीमार बच्चे के साथ क्रिश्चियन साइंस दंपति हो सकता है, और वे बच्चे को चिकित्सक के पास ले जाएँगे, लेकिन वे बच्चे को मेडिकल डॉक्टर के

पास नहीं ले जाएंगे, बच्चा मर जाता है, और फिर राज्य उसमें शामिल हो जाता है और माता-पिता के पीछे पड़ जाता है कि उन्होंने अपने बच्चे को मरने दिया और इसी तरह।

इसलिए कभी-कभी वे इस विश्वास के साथ वास्तविक रूप से उलझ जाते हैं कि बीमारी एक गलत विश्वास का मामला है। यह वास्तविक शारीरिक बीमारी का मामला नहीं है जिसे डॉक्टरों द्वारा ठीक किया जाना चाहिए। इसलिए, क्रिश्चियन साइंस के साथ ऐसी समस्याएं रही हैं जिन्हें उन्हें संभालना पड़ा है।

किस बारे में? खैर, वे यीशु के पुनरुत्थान पर बहुत जोर देते हैं, जैसा कि आप देखेंगे। और यीशु के पुनरुत्थान पर रंगीन शीशे की खिड़कियाँ हैं जिन्हें हम पुराने, माफ़ करें, मदर चर्च में देखेंगे। तो, वे पुनरुत्थान के बारे में बात करते हैं, लेकिन ऐसा लगता है कि जब वे पुनरुत्थान के बारे में बात कर रहे होते हैं तो वे आध्यात्मिक शरीर के पुनरुत्थान के बारे में बात कर रहे होते हैं, न कि भौतिक शरीर के।

तो, यह एक बहुत ही आदर्श और एक तरह से बहुत ही ज्ञानवादी है। हाँ। तो क्रिश्चियन साइंस अमीरों, प्रभावशाली लोगों और बुद्धिजीवियों को आकर्षित करता है।

यही कारण है कि वे अपने चर्च का इतना अच्छा समर्थन करते हैं क्योंकि वे संपन्न लोग हैं। और जब आप देखते हैं कि पूरा परिसर कुछ हफ़्तों में बनकर तैयार हो जाएगा, तो याद रखें कि इसका भुगतान उसी दिन हो गया था जिस दिन इसे बनाया गया था। इसलिए, वे इस तरह से बहुत अच्छा कर रहे हैं।

हालाँकि, आप यह नहीं सुनेंगे कि दुनिया भर में क्रिश्चियन साइंस चर्च बहुत तेज़ी से बंद हो रहे हैं क्योंकि वे बस नहीं हैं। लोग क्रिश्चियन साइंस में शामिल नहीं हो रहे हैं। लोग शायद उस दुनिया के बारे में थोड़ा ज़्यादा यथार्थवादी हैं जिसमें हम रहते हैं और पाप, बुराई और मृत्यु जैसी चीज़ों के बारे में। हाँ।

सही है। वाचनालय बहुत दिलचस्प है। और फिर, ईसाई धर्म के बारे में एक बहुत ही बौद्धिक दृष्टिकोण है।

यह मन का जीवन है। और इसलिए, अगर लोग पढ़ने के कमरे में आते हैं, तो उन पढ़ने के कमरों में कौन आकर्षित होगा? खैर, शायद केवल वे लोग जो बौद्धिक रूप से रुचि रखते हैं, वे बैठकर कुछ किताबें पढ़ना चाहते हैं या कुछ किताबें खरीदना चाहते हैं और उनके बारे में सीखना चाहते हैं और इसी तरह। तो यही वह अपील है जो क्रिश्चियन साइंस बौद्धिक लोगों को आकर्षित करती है।

मेरा मतलब है, एक गरीब व्यक्ति जो बेघर और भूखा है, शायद पढ़ने के कमरे में जाकर बैठकर कुछ अच्छी किताबें नहीं पढ़ेगा या कुछ अच्छी किताबें नहीं खरीदेगा। इसलिए, यह जानने के लिए बुद्धि के प्रकार की अपील है कि वास्तव में क्या सच है। वास्तव में जो सच है वह यह है कि आप मैरी बेकर एडी के लेखन के माध्यम से सीख सकते हैं।

हाँ. हाँ. मुझे सच में नहीं पता कि वाचनालय कितने सफल हैं.

उनसे यह पूछना दिलचस्प होगा। उन्होंने, बेशक, मैरी बेकर एडी के माध्यम से, क्रिश्चियन साइंस मॉनिटर का निर्माण किया, जो, वैसे तो हम उस इमारत में नहीं जाते, लेकिन जैसा कि आप जानते हैं, पत्रकारिता के लिए इसकी काफी अच्छी प्रतिष्ठा है। तो, यह मैरी बेकर एडी के समय में निर्मित किया गया था।

और कुछ? क्रिश्चियन साइंस। तो, कट्टरपंथ के माहौल में, आपके पास ये अन्य आंदोलन भी हैं, जिन्हें आप डिस्पेंसेशनल लोगों या पवित्रता के लोगों या पेंटेकोस्टल लोगों के साथ नहीं पहचान सकते हैं, लेकिन यह उस समय के दौरान उठता है। तो, ठीक है।

दूसरा समूह जिसका हमने पहले ही उल्लेख किया है, वह है चार्ल्स टेज़ रसेल और यहोवा के साक्षी। हमने उनके बारे में पहले भी बात की थी, लेकिन ये लोग मूल रूप से यूनिटेरियन हैं। वे ट्रिनिटेरियन नहीं हैं।

और वे लोगों को अपने साथ जुड़ने के लिए भी बुलाते हैं। जब लोग उनके साथ जुड़ते हैं, तो उन्हें यह दिखाने के लिए बहुत सख्त नैतिक जीवन जीना पड़ता है कि वे वास्तव में यहोवा के साक्षी हैं और वे उद्धार पाने वालों का हिस्सा हैं। और इसलिए, यह अपील, ज़ाहिर है, सामाजिक बाहरी लोगों के लिए थी।

यह अपील गरीबों के लिए थी। यह अपील शहर के भीतर के गरीबों के लिए थी, जो सामाजिक मानदंडों और सामाजिक संरचनाओं से बाहर थे, जिनके पास घर नहीं था, जिनका कोई परिवार नहीं था, और जिनके जीवन में कोई अनुशासन नहीं था। और इसलिए, उन्हें पता चलता है कि वे यहोवा के साक्षियों का हिस्सा हैं।

उन्हें पता चलता है कि वे ईश्वर के चुने हुए लोगों में से हैं। और इसलिए, यहोवा के साक्षियों की इस तरह से बहुत व्यापक अपील थी। हालाँकि, वे ईसाई विज्ञान के विपरीत हैं।

ईसाई विज्ञान उच्च और पिछड़े लोगों को आकर्षित करता है। यहोवा के साक्षी वंचित और पिछड़े लोगों को आकर्षित करते हैं। लेकिन उनका युग-पूर्व सहस्राब्दी, पेंटेकोस्टल या पवित्रता परंपरा से कोई संबंध नहीं था।

वे यहाँ एक और तरह की बात कर रहे हैं। ठीक है, तो सबसे पहले, पेंटेकोस्टलिज्म, क्रिश्चियन साइंस, या यहोवा के साक्षियों के बारे में कुछ भी? ठीक है, अब हम जो करने जा रहे हैं वह नंबर चार पर जाना है।

हम कट्टरवाद के परिणामों पर जाएँगे। और मैं कट्टरवाद के परिणामों को एक खास तरीके से देखता हूँ। तो, आइए देखें कि हम इसके साथ कैसे आगे बढ़ेंगे।

एक किताब लिखी गई थी जिसका नाम था द रूट्स ऑफ फंडामेंटलिज्म। यह काफी साल पहले लिखी गई थी। हालाँकि, इस किताब में लेखक ने कट्टरपंथ को एक आंदोलन के रूप में अच्छी

तरह से देखने की कोशिश की है, न कि केवल इसके खंडों के रूप में बल्कि एक समग्र आंदोलन के रूप में भी।

उन्होंने यह देखने की कोशिश की कि इसमें क्या सकारात्मक है और क्या नकारात्मक। मुझे लगता है कि यह एक बहुत संतुलित किताब थी। लेखक का नाम सैंडिन था, द रूट्स ऑफ़ फ़ंडामेंटलिज़्म।

मुझे लगता है कि यह काफी संतुलित था। इसलिए, जब उन्होंने कट्टरपंथ के बारे में बुरी बातों के बारे में बात की, तो उन्होंने इसे देखने के लिए इंजील लोगों की ओर रुख किया। इसलिए, हम परिणामों के तहत जो करने जा रहे हैं, वह कट्टरपंथ के तीन परिणामों को देखना है।

सबसे पहले, हम कट्टरपंथ की आलोचनाओं को देखेंगे, और मैं उन पर बात करूंगा। और मुझे कहना होगा कि उनमें से काफी आलोचनाएं थीं। दूसरा, हम इंजीलवाद को कट्टरपंथ से अलग एक तरह के रूप में देखेंगे।

तीसरा, हम कट्टरवाद के प्रति उदारवादी प्रतिक्रिया को देखने जा रहे हैं। ठीक है, तो हम यहाँ जा रहे हैं। कट्टरवाद की आलोचनाएँ।

अब, मेरे पास अमेरिकी कट्टरवाद पर मेरी फ़ाइल से कुछ उदाहरण भी हैं। इसलिए, मुझे लगता है कि मैं पहले आलोचनाओं पर विचार करूंगा, और फिर आलोचनाओं के भीतर उदाहरणों को फिट करने की कोशिश करने के बजाय मैं बस कुछ उदाहरणों पर आऊँगा। ठीक है, क्या यह समझ में आता है? मुझे उम्मीद है कि ऐसा होगा।

तो हम सबसे पहले यही कर रहे हैं: समग्र रूप से कट्टरवाद की आलोचना। कट्टरवाद के किसी खास हिस्से की नहीं, बल्कि समग्र रूप से कट्टरवाद की। ठीक है, सबसे पहली आलोचना है आत्म-आलोचना करने में असमर्थता या अनिच्छा।

आत्म-आलोचना करने में असमर्थता या अनिच्छा। उस व्यक्ति से सावधान रहें जो आत्म-आलोचनात्मक नहीं है। उस टेलीविज़न उपदेशक से सावधान रहें जिससे आज सुबह भगवान ने बात की; वह आज रात आपसे बात कर रहा है, और वह जो कुछ भी कहता है वह अचूक है।

उस व्यक्ति से सावधान रहें। आपके धर्मशास्त्र में सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति आप ही होने चाहिए। वह व्यक्ति जो आपके धर्मशास्त्र और आपके अध्ययन में आपकी ताकत और कमजोरियों को जानता है, वह सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण आप ही होने चाहिए।

और महान धर्मशास्त्री वे लोग थे जो जानते थे, जो आत्म-आलोचनात्मक थे। वे जानते थे कि उन्होंने कब गलत बात कही है, या उन्हें इसे बेहतर तरीके से कहना चाहिए था, या जो भी हो। लेकिन कई कट्टरपंथियों के साथ, ऐसा करने में असमर्थता थी या ऐसा करने की अनिच्छा थी।

अगर आपको पता था कि आपने कुछ गलत कहा है, तो वे इसे स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं थे। तो यह नंबर एक है। नंबर दो, कभी-कभी शास्त्र का एक बहुत ही अजीब दृष्टिकोण, और

अक्सर एक इंजील आलोचनात्मक कट्टरपंथी के रूप में लगे हुए, अक्सर भविष्यवाणी की पूरी तस्वीर को देखने के बजाय केवल भविष्यवाणी की छोटी-छोटी बातों में लगे रहते हैं, अक्सर भविष्यवाणी की छोटी-छोटी बातों में बहुत लगे रहते हैं।

डॉ. हिल्डेब्रांट ने बताया कि दूसरे दिन, जब कुछ भविष्यवाणी सम्मेलनों में भविष्यवाणी की बहुत ही छोटी-छोटी बातों पर चर्चा की गई और फिर उन्हें आज की दुनिया पर लागू करना शुरू किया गया, तो यह थोड़ा सा हो गया; आपको वाकई आश्चर्य होता है कि क्या वहाँ कोई वास्तविक संबंध है। इसलिए कभी-कभी शास्त्रों के बारे में एक अजीब दृष्टिकोण होता है। नंबर तीन, अक्सर प्रेम के बजाय न्याय दिखाते हैं।

मेरे पास इस बारे में बहुत सारे उदाहरण हैं, लेकिन मैं अक्सर प्यार के बजाय न्याय दिखाता हूँ। और कभी-कभी यह कट्टरपंथियों के रूप में एक-दूसरे के प्रति सच था। नंबर चार, स्वास्थ्य और धन का एक छोटा सा उपदेश दिया।

कट्टरपंथी लोग थे; हम चर्च में इसका एक उदाहरण देखेंगे जब हम बुधवार और शुक्रवार को अपनी सीडी देखेंगे, जिसमें अक्सर स्वास्थ्य और धन के सुसमाचार का प्रचार किया जाता था। यदि आप वास्तव में ईसाई हैं, तो आप स्वस्थ रहेंगे, और आप अमीर बनेंगे, आपके पास बड़ी-बड़ी कोठरियाँ और खूबसूरत कारें और ढेर सारा पैसा होगा। इस बारे में चिंता न करें; ऐसा हो सकता है। और अक्सर स्वास्थ्य और धन का सुसमाचार, उस तरह से एक छोटा सुसमाचार होता है।

अक्सर अनैतिहासिक, यानी ईसाई धर्म के इतिहास की भव्य समझ की कमी, ईसाई धर्म के 2000 साल के भव्य मार्च की महानता की कमी। और अक्सर अनैतिहासिक, ईसाई चर्च कल हमारे चर्च से शुरू हुआ, और यही सब कुछ है। इसलिए अक्सर, इतिहास की इस महान ऐतिहासिक समझ की कमी होती है, हमेशा नहीं, लेकिन अक्सर।

अक्सर सुपरस्टार्स के इर्द-गिर्द ही बनाया जाता है। यह व्यक्तित्व का पंथ है। वीडियो में, आप कुछ कट्टरपंथी व्यक्तित्वों को देखने जा रहे हैं।

पूरा उद्यम इन सुपरस्टार्स के इर्द-गिर्द बना था, और अक्सर, जब सुपरस्टार विभिन्न कारणों से टूट जाता था, तो उद्यम भी टूट जाता था। हम इसे बुधवार और शुक्रवार को सीडी पर देखेंगे। इसलिए, अक्सर व्यक्तित्व का पंथ होता था।

अक्सर पूरे चर्च की निंदा की जाती है। मसीह का पूरा शरीर निंदा के दायरे में आता है। कोई भी चर्च जो उनके चर्च या उनकी सोच या उनके सिद्धांत के अनुरूप नहीं है, उसे शैतानी और दुष्ट होना चाहिए और परमेश्वर के न्याय के अधीन होना चाहिए।

इसलिए, वे अक्सर अपने चर्च, अपने चर्च या अपने संप्रदाय को छोड़कर पूरे ईसाई चर्च की निंदा करने से गुरेज नहीं करते थे। अक्सर, हमेशा नहीं, लेकिन अक्सर सामाजिक जिम्मेदारी की भावना का अभाव होता है। यही गरीबों की देखभाल करना, अपने पड़ोसी की देखभाल करना है।

और फिर, आप वीडियो पर इसकी कुछ आलोचना देखेंगे। इसलिए अक्सर सामाजिक जिम्मेदारी की कमी होती है। अक्सर, कुछ इंजीलवादी इस बारे में विशेष रूप से चिंतित थे, लेकिन अक्सर आधुनिक बौद्धिक रुझानों के साथ जुड़ाव की कमी थी।

यानी, कट्टरपंथी नेता आधुनिक दुनिया से, बौद्धिक दुनिया से बात करने में सक्षम नहीं थे। आलोचना का एक हिस्सा यह था कि कट्टरपंथी स्कूलों में, बाइबिल धर्मशास्त्र, सिद्धांत धर्मशास्त्र और बाइबिल भाषाओं में कोई प्रशिक्षण नहीं था। इसलिए, वे आधुनिक बौद्धिक रुझानों से जुड़ने के लिए बाइबिल के अपने ज्ञान को लाने में असमर्थ थे।

और ये हैं कट्टरवाद की आलोचना के कुछ उदाहरण। मेरे पास एक और उदाहरण है। किसी कारण से, मैंने इसे सूची में नहीं रखा, लेकिन यहाँ अंतिम उदाहरण है।

और यही बात एक इंजीलवादी ने कही थी: कट्टरवाद रूढ़िवादिता है जो पंथ बन गई है। यह रूढ़िवादिता है जो पंथ बन गई है। और यहाँ उसका एक उद्धरण है।

उन्होंने कहा कि वे छोटी-छोटी खूबियों पर जोर देते हैं जबकि बड़ी बुराइयों को बढ़ावा देते हैं। और वह एक ऐसे व्यक्ति थे जो कट्टरपंथ में पले-बढ़े थे। इसलिए, इस तरह की रूढ़िवादिता पंथ बन गई है, जिसमें छोटी-छोटी खूबियों पर जोर दिया जाता है कि हम शराब नहीं पीते, धूम्रपान नहीं करते, नाचते नहीं या चबाते नहीं और हम अक्सर बड़ी बुराइयों को बढ़ावा देते हैं, जो कुछ लोगों के लिए समस्या बन गई, हालांकि सभी के लिए नहीं।

लेकिन कुछ कट्टरपंथियों के साथ यह समस्या पैदा करने वाला हो गया। ईसाई धर्म में उन चीजों की सूची बन गई जो आप नहीं करते। आप शराब नहीं पीते, धूम्रपान नहीं करते, या चबाते नहीं।

इसलिए, आपको ईसाई होना चाहिए। तो, यह समस्याजनक हो जाता है। ठीक है।

तो, हम कट्टरवाद के परिणामों के बारे में बात कर रहे हैं। हम कह रहे हैं कि इसके तीन परिणाम थे। पहला परिणाम कट्टरवाद की आलोचना थी।

ठीक है। अब, इनमें से प्रत्येक के लिए, मैं कुछ उदाहरणों के साथ रुक सकता था। इसलिए मैं अब बस कुछ उदाहरण दूंगा।

मेरे पास बहुत कुछ है। मेरे पास एक है, खास तौर पर एक जो व्यक्तिगत है। तो, मैं अंत में उस पर बात करूंगा।

लेकिन हाँ. हाँ. हाँ.

खैर, हम आम तौर पर करिश्माई शब्द का इस्तेमाल क्रॉस-डिनोमिनेशनल के लिए करते हैं। हम आम तौर पर पेंटेकोस्टल शब्द का इस्तेमाल संप्रदाय की पहचान को फिर से पहचानने के लिए करते हैं, जैसे कि असेंबली ऑफ गॉड एक पेंटेकोस्टल संप्रदाय है। हालाँकि, करिश्माई शब्द 60 और 70 के दशक में प्रचलन में आया।

करिश्माई शब्द का अर्थ था ट्रांस-डिनोमिनेशनल, पवित्र आत्मा के कार्य पर जोर देना और कभी-कभी एक ही बात, कभी-कभी अन्य भाषाओं में बोलना, आस्था उपचार, लेकिन यह ट्रांस-डिनोमिनेशनल था। इसलिए हम आमतौर पर इस शब्द का उपयोग इसी तरह करते हैं। जब मैं 1970 में बैरिंगटन कॉलेज गया था, तो मेरा ऑफिस मेट एक... मुझे लगता है कि मैंने आपको यह बताया होगा।

मुझे पक्का पता नहीं है। लेकिन मेरे ऑफिस का साथी एक एपिस्कोपल पादरी था। अब, मैं बड़ा हो गया... मैं किसी भी एपिस्कोपल पादरी को जानते हुए बड़ा नहीं हुआ।

तो, यह मेरे लिए एक नया अनुभव था। और जब मैं पहले दिन अपने कार्यालय में गया, तो उन्होंने अपना कॉलर और क्रॉस पहना हुआ था, और वहाँ वे थे, फादर टेरी फुलहम, जो गॉर्डन कॉलेज के स्नातक भी थे। लेकिन वे केवल एक एपिस्कोपल पादरी नहीं थे, जिनसे मैं पहले कभी नहीं मिला था।

अब मैं उनके साथ एक कार्यालय साझा कर रहा हूँ। वह एक करिश्माई एपिस्कोपल पादरी थे। अब, मैं किसी भी तरह की करिश्माई परंपरा में नहीं पला-बढ़ा हूँ।

और इसलिए, मुझे यह भी नहीं पता था कि इन दो चीजों को कैसे जोड़ा जाए: करिश्माई, एपिस्कोपल पादरी। वे कैसे जुड़ते हैं? इसलिए, उन्होंने मुझे बताया कि करिश्माई एपिस्कोपल पादरी होने का क्या मतलब है। जिस तरह से उन्होंने मुझे बताया, उनमें से एक यह है कि उस समय का सबसे बड़ा रोमन कैथोलिक करिश्माई आंदोलन, 70 के दशक की शुरुआत में, उस समय का सबसे बड़ा रोमन कैथोलिक करिश्माई आंदोलन रोड आइलैंड में था।

रोड आइलैंड में रोमन कैथोलिक करिश्माई सभाएँ बहुत बड़ी होती थीं। इसलिए उन्होंने सोचा कि चूँकि मुझे इस विषय में शिक्षा की आवश्यकता है, इसलिए मुझे उनके साथ रोमन कैथोलिक करिश्माई सभाओं में जाना चाहिए। और इसलिए, मैं गया।

और मैं आश्चर्यचकित था। मेरा मतलब है, वहाँ बहुत सी अनूठे ढंग से बोलना, बहुत सी आस्था उपचार, बहुत सी भविष्यवाणियाँ, और इसी तरह की अन्य बातें थीं। और फिर सेवा के अंत में, हर कोई थोड़ा शांत हो जाता है।

और फिर आप प्रार्थना करते हैं। पुजारी बाहर आता है, आप प्रार्थना करते हैं। और इस तरह आप प्रार्थना समाप्त करते हैं।

और बैरिंगटन कॉलेज क्योंकि ये इतनी बड़ी बैठकें थीं, बैरिंगटन कॉलेज में एक बड़ा व्यायामशाला था। इसलिए, वे हमारे व्यायामशाला को किराए पर लेते थे क्योंकि उन्हें एक बड़ी बैठक की जगह की ज़रूरत थी। इसलिए कभी-कभी, करिश्माई रोमन कैथोलिक परिसर में आते थे, हमारे व्यायामशाला का उपयोग करते थे, और अपनी सेवाएँ देते थे।

लेकिन यह करिश्माई है। यह ट्रांस-डिनोमिनेशनल है, यहाँ तक कि रोमन कैथोलिक भी, मुझे नहीं पता कि आप करिश्माई को रोमन कैथोलिक से जोड़ते हैं या नहीं। लेकिन यह ट्रांस-डिनोमिनेशनल है।

इस पहले परिणाम के बारे में कुछ और बात यह है कि आलोचनाएँ, ठीक है, बस कुछ दृष्टांत। यहाँ एक दृष्टांत है जो मेरे फ़ोल्डर में है, क्योंकि कट्टरपंथियों का अक्सर धर्मग्रंथों के बारे में एक अजीब दृष्टिकोण होता था। धर्मग्रंथों के उस अजीब दृष्टिकोण का एक हिस्सा यीशु के दूसरे आगमन की तिथि से जुड़ा था।

डॉ. हिल्डेब्रांट ने दूसरे दिन सही कहा था, "मुझे लगता है कि ईसाई धर्म के बहुत से लोग यीशु के दूसरे आगमन के सिद्धांत को भूल गए हैं। हम पंजों के बल खड़े होकर प्रतीक्षा नहीं कर रहे हैं, और हमें अपेक्षित लोग होना चाहिए। हालाँकि, दूसरे आगमन की तिथि निर्धारित करना समस्याग्रस्त रहा है।

आप इसे मिलराइट्स में विलियम मिलर से जानते हैं। सालों पहले, ग्रानिस , अर्कासस नामक स्थान पर, जिसकी जनसंख्या 177 थी, 25 लोगों का एक समूह था जिसने फैसला किया कि यीशु ग्रानिस , अर्कासस में वापस आ रहे हैं। और इसलिए, उन्होंने जो करने का फैसला किया वह था अपनी नौकरी छोड़ना, कारखाने छोड़ना, अपने बच्चों को स्कूल से निकालना, और जीन नेंस के घर में आकर रहना और यीशु के वापस आने तक उनके घर में रहना।

इसलिए, उन्होंने सितंबर के एक दिन ग्रैनिस , अर्कासस में ऐसा किया, क्योंकि उन्हें यीशु के वापस आने की सटीक तारीख पता थी। इसलिए वे पकड़े नहीं जाना चाहते थे, और वे यीशु के लिए तैयार नहीं थे। इसलिए, वे सभी घर में घुस गए, घर में खाना ले आए, और उन्होंने घर को बंद कर दिया।

खैर, इसके बाद आठ महीने बाद यह मामला आया। मुझे लगता है कि मेरे पास... हाँ, इसके बाद आठ महीने बाद यह मामला आया जब अधिकारी घर आए और इन लोगों से कहा, आठ महीने से उस घर में, उस घर में सभी बच्चों के साथ, और सभी को बंद करके, और अब भोजन कहाँ है? तो वैसे भी, आठ महीने बाद, अधिकारी दरवाज़ा खटखटाते हुए आए और कहा, आपने अपने बच्चों को आठ महीने के लिए स्कूल से निकाल दिया है, आप अस्वास्थ्यकर परिस्थितियों में रह रहे हैं, और आपके पास बाहर निकलने के लिए आधी रात तक का समय है। और इसलिए उन्हें बाहर निकलना पड़ा, और यीशु 29 सितंबर 1970 को ग्रैनिस , अर्कासस में वापस नहीं आए ।

ऐसा नहीं हुआ। इसलिए, उनके विचार अजीब हो सकते हैं। एक और तरह का... मेरे पास पूरी फ़ाइल है, लेकिन यहाँ एक किताब है जो 1988 में आई थी।

88 कारण क्यों 1988 में रैप्चर होने जा रहा है। लेकिन इस पुस्तक के बारे में अच्छी बात यह है कि यह एक में दो पुस्तकें हैं क्योंकि आधी पुस्तक इस तरह से छपी है, और दूसरी आधी इस तरह से छपी है। और यह उधार के समय पर है, डैनियल के 17वें सप्ताह की बाइबिल तिथियाँ, डैनियल 924 की सहस्राब्दी में आर्मागैडन।

तो, आपको इसमें से एक में दो किताबें मिलती हैं। तो अब, आप यह नहीं सोचेंगे कि लोग इसे बहुत गंभीरता से लेंगे। और मैं आपको यह बताने के लिए यहाँ हूँ कि बहुत से लोगों ने इसे गंभीरता से लिया।

मेघारोहण 1988 में होने जा रहा है। 1988 में मेघारोहण के लिए तैयार होने के लिए छात्रों ने वास्तव में कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को छोड़ दिया। नहीं, गॉर्डन के छात्रों, मैं आपको यह बताने के लिए यहाँ हूँ, लेकिन फिर भी, यह समय का नामकरण करने का एक अजीब दृष्टिकोण है।

लेकिन आपने शायद यह किताब नहीं पढ़ी है। आप शायद इसे अपनी गर्मियों की पढ़ने की सूची में नहीं डालेंगे। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो कोई बात नहीं, क्योंकि यह अब पुरानी हो चुकी है।

यह 1988 था, इसलिए अगर आप नहीं जानते तो कोई बात नहीं। लेकिन यहाँ एक पत्र है। मैं इवेंजेलिकल थियोलॉजिकल सोसाइटी से जुड़ा हुआ हूँ, और इवेंजेलिकल थियोलॉजिकल सोसाइटी, जो इवेंजेलिकल लोगों का एक समूह है जो मिलते हैं, पेपर पढ़ते हैं और एक जर्नल रखते हैं और इसी तरह के अन्य काम करते हैं।

उन्होंने, कुछ समय पहले, अपने एक सत्र में, मुझे इसकी तारीख नहीं पता, लेकिन कुछ समय पहले, यह 70 के दशक की शुरुआत होगी, अपने एक सत्र में, उन्होंने बॉब जोन्स यूनिवर्सिटी पर बहुत कड़ा प्रहार किया। अब, मुझे नहीं पता कि आप में से कोई बॉब जोन्स यूनिवर्सिटी गया है या बॉब जोन्स यूनिवर्सिटी से स्थानांतरित हुआ है, लेकिन उन्होंने बॉब जोन्स यूनिवर्सिटी पर बहुत कड़ा प्रहार किया, क्योंकि उस समय, बॉब जोन्स यूनिवर्सिटी ने अश्वेतों को यूनिवर्सिटी में प्रवेश देने से मना कर दिया था, जो कि, आप जानते हैं, कई मायनों में समस्याग्रस्त है। खैर, किसी तरह उन्हें इसके बारे में पता चला।

तो, बॉब जोन्स यूनिवर्सिटी ने इवेंजेलिकल थियोलॉजिकल सोसाइटी को एक पत्र लिखा। और यहाँ देखें कि उस पत्र में क्या कहा गया था। यह 1971 की बात है।

क्या आप इवेंजेलिकल थियोलॉजिकल सोसाइटी के पूरे न्यू इंग्लैंड सेक्शन को बॉब जोन्स यूनिवर्सिटी के साथ मुद्दा उठाने के लिए हमारी सलाहना व्यक्त करेंगे? अगर आपके पास हमारे बारे में कहने के लिए कुछ अच्छा है तो हम सबसे ज्यादा चिंतित होंगे। मैं यह स्पष्ट रूप से स्पष्ट कर दूँ कि इवेंजेलिकल थियोलॉजिकल सोसाइटी बॉब जोन्स यूनिवर्सिटी के बारे में क्या सोचती है, इसकी हमें कोई परवाह नहीं है। चाहे आपको इसका एहसास हो या न हो, आपने खुद को बॉब जोन्स यूनिवर्सिटी की स्थिति से बहुत पहले ही अलग कर लिया था जब आपने खुद को न्यू इंग्लैंड के रुख, सामाजिक सुधार और विश्वव्यापी अभिविन्यास के रुख से जोड़ा था।

इसलिए, मुझे इस बात पर ज़रा भी आश्चर्य नहीं है कि अलगाववादी दृष्टिकोण आपके लिए अपमानजनक है। आप बहुत पहले ही भूल चुके हैं कि शब्द का अर्थ वैसा ही है जैसा वह है, आप बहुत पहले ही भूल चुके हैं कि शब्द का अर्थ वैसा ही है जैसा वह परमेश्वर के वचन से लागू होता है। अंत में, मैं सुझाव दे सकता हूँ कि इवेंजेलिकल थियोलॉजिकल सोसाइटी बदलाव के लिए कुछ धर्मशास्त्रीय काम करना शुरू कर दे।

या यदि नहीं, तो आपके समूह के लिए नाम बदलकर इवेंजेलिकल सोशल सोसाइटी फॉर द फर्दरेंस ऑफ द किंगडम ऑफ द एंटीक्रिस्ट जैसा कुछ रखना उचित होगा। इस बीच, बॉब जोन्स यूनिवर्सिटी के मामलों में आपका हस्तक्षेप, एक ऐसा स्कूल जिसका आपसे धार्मिक, स्थितिगत या जैविक रूप से कोई लेना-देना नहीं है, अनुचित, अनुचित और हस्तक्षेपकारी है। आपका सच्चा, बॉब जोन्स III, उपाध्यक्ष।

तो यह थोड़ा मुश्किल था। कुछ साल पहले, आप जानते हैं, बॉब जोन्स यूनिवर्सिटी में एक फिल्म स्कूल था। मुझे नहीं पता कि आप इससे परिचित हैं या नहीं, लेकिन उनके पास एक फिल्म स्कूल है।

कुछ साल पहले, बैरिंगटन कॉलेज में, हमने उनकी सूची देखी, और उसमें एक फिल्म थी जिसे हम उनसे किराए पर लेने वाले थे। और इसलिए, हमने उन्हें लिखा और कहा, हम बस उस फिल्म को किराए पर लेना चाहते हैं। और हमें जो पत्र मिला, वह यह था कि, बेशक, वे हमें फिल्म किराए पर नहीं दे सकते क्योंकि बैरिंगटन कॉलेज शैतान का था।

और अगर उन्होंने हमें फ़िल्म किराए पर दी, तो वे शैतान के साथ पत्राचार कर रहे होंगे। इसलिए उन्होंने फैसला किया, नहीं, माफ़ करें, हम अपनी फ़िल्म किराए पर नहीं दे सकते। और वैसे, उस पत्राचार में, गॉर्डन कॉलेज भी कुछ नहीं कर पाया क्योंकि उन्होंने कुछ अन्य कॉलेजों का उल्लेख किया था जो शैतान के थे।

और गॉर्डन उनमें से एक था, बेशक। इसलिए, वे हमें वह फिल्म किराए पर नहीं दे सकते थे। तो आप शैतान से क्यों हैं? ओह, क्योंकि आप जो उपदेश देते हैं, जो सिखाते हैं, आप जानते हैं, कई, कई कारणों से।

तो अब, एक और उदाहरण। यह एक व्यक्तिगत उदाहरण है। तो यह रहा।

मैं इसे आपको दे दूंगा। अब, मुझे बस, अगर मैं कर सकता हूँ, तो इसके लिए थोड़ा प्रस्तावना होनी चाहिए क्योंकि जब मैं विमान पर चढ़ता हूँ, तो मैं अपनी किताबें निकालता हूँ और पढ़ता हूँ और अध्ययन करता हूँ। मैं नहीं, आप जानते हैं, क्या यह है, क्या मैं एक बुरा प्रचारक हूँ? मैं अपने बगल वाले व्यक्ति से बात नहीं करता।

मैं ऐसा नहीं करता। मेरा मतलब है, ऐसा नहीं है। मेरे पास मेरे बगल में बैठे व्यक्ति के खिलाफ कुछ भी नहीं है, लेकिन यह मेरे व्यक्तित्व के माध्यम से सुसमाचार प्रचार की मेरी समझ नहीं है। मुझे नहीं पता कि आप में से कोई भी ऐसा है या नहीं।

मैं ऐसा ही हूँ। इसलिए जब मैं विमान में चढ़ता हूँ, तो मैं पढ़ता हूँ, अध्ययन करता हूँ, या आराम करता हूँ, आप जानते हैं। तो, सालों पहले, मैं विमान में चढ़ा था।

मुझे याद है कि मैं जो किताब पढ़ रहा था, वह फॉक्स की किताब थी, बायोग्राफी ऑफ रेनहोल्ड नीबुहर। तो, मैं यह किताब पढ़ रहा था, और मेरे बगल में बैठा साथी, मैं बता सकता था कि वह किसी तरह से इस किताब से आकर्षित था।

शायद उसने रेनहोल्ड नीबुहर या ऐसा ही कुछ सुना था, लेकिन मैं बता सकता था कि वह उत्सुक था। और फिर मुझे अजीब सा एहसास हुआ कि, आखिरकार, यह आदमी मुझसे बात करने वाला था। मुझे पता है कि वह मुझसे बात करने वाला है।

आखिरी चीज़ जो मैं करना चाहता हूँ, वह यह है कि वह मुझसे बात करने वाला है। इसलिए, मैं एक ही समय में पढ़ रहा हूँ और प्रार्थना कर रहा हूँ। हे प्रभु, कृपया ऐसा न होने दें।

तो, ज़ाहिर है, फिर उसने देखा कि मैं एक धार्मिक किताब पढ़ रहा था। तो, वह मुझसे बात करना चाहता था। ठीक है, तो उसने अपना परिचय दिया।

उसका नाम एंडी वंडेनबर्ग था और वह कनाडा से था। हम उड़ान भर रहे थे, मुझे लगता है कि हम उड़ान से टोरंटो जा रहे थे, लेकिन वह कनाडा से था। और वह ईसाई धर्म के बारे में बात करना चाहता है क्योंकि उसे लगता है कि इस किताब को पढ़कर वह जान सकता है।

तो ठीक है, तो चलिए बात करते हैं। तो, वह मुझे बिना किसी संदेह के यह बताने में प्रसन्न था कि आर्मडेल, नोवा स्कोटिया में उसका चर्च, दुनिया का एकमात्र सच्चा चर्च था। दुनिया में कोई दूसरा सच्चा चर्च नहीं था।

वे सच्चे चर्च थे। इसलिए अब वह मुझसे इस बारे में बात करने की उम्मीद करता है। तो, यह एक अविश्वसनीय बातचीत थी, जिसकी मुझे उस दिन बिल्कुल भी ज़रूरत नहीं थी।

एक अविश्वसनीय बातचीत हुई। वास्तव में, मुझे लगता है कि मैं उसके जीवन में थोड़ा हस्तक्षेप करने लगा था क्योंकि वह बहुत ही अप्रिय व्यक्ति था। जैसे-जैसे बातचीत आगे बढ़ी, उसने मुझे बताया कि काम पर कोई भी उसे पसंद नहीं करता।

और वह एक फैक्ट्री में काम करता था। काम पर कोई भी मुझे पसंद नहीं करता क्योंकि मैं हमेशा उन्हें बताता रहता हूँ कि हम सच्चे चर्च हैं और तुम्हारा चर्च हमारा धर्मत्यागी है। और इसलिए, मैंने अभी कहा, ठीक है, आपको धार्मिकता के लिए सताए जाने और घृणित होने के लिए सताए जाने के बीच अंतर करना होगा।

इन दोनों बातों में अंतर है। और आपको अपने जीवन में इस पर काम करना पड़ सकता है। और हो सकता है कि कार्यस्थल पर कोई भी आपको पसंद न करे।

आपको धार्मिक होने के कारण सताया नहीं जा रहा है। आपको घृणित होने के कारण सताया जा सकता है। मेरा मतलब है, उसने यह बातचीत शुरू की।

तो, मैंने तय किया, खैर, वैसे भी, हमने इस बारे में लंबी, उलझी हुई बातचीत की कि एक सच्चा चर्च क्या होता है। और इसलिए, वह सबसे कट्टर कट्टरपंथी था जिससे मैं कभी मिला हूँ। तो, हम अलग हो गए, और फिर, ओह, मैं आपको बताता हूँ, मैं यहाँ अपना समय देख रहा हूँ, लेकिन मैंने बातचीत में एक गलती की।

उसने मेरा पता पूछा। उसने पूछा कि मैं कहाँ पढ़ाता हूँ और बाकी सब। तो मैंने कहा, हाँ, मैं गॉर्डन कॉलेज में पढ़ाता हूँ।

मैंने उसे अपना पता दे दिया। मुझे पता है। मैंने ऐसा क्यों किया? मैं अपने होश में नहीं था। तो निश्चित रूप से, कुछ, ओह, शायद दो हफ्ते बाद, मुझे एंडी वंडेनबर्ग से उनके चर्च और उस तरह की सभी चीज़ों के बारे में, मुझे नहीं पता, 60 पृष्ठों की सामग्री मिली।

लेकिन यहाँ, उसने मुझे एक निजी पत्र लिखा। तो, मैं बहुत खुश था, लड़का, मेरे लिए एक निजी पत्र। शिकागो से टोरंटो की उड़ान में हमारी हाल ही की बातचीत के अलावा, यह सही है।

मुझे संलग्न जानकारी को इस उम्मीद में आगे बढ़ाने में खुशी हो रही है कि आप सच्चे और जीवित परमेश्वर की ओर मुड़ेंगे। जब तक आप पश्चाताप नहीं करते, आप इस दुनिया की आत्मा से धोखा खाते रहेंगे और कभी भी यह नहीं समझ पाएंगे कि मैं आपको क्या बता रहा हूँ, क्योंकि प्राकृतिक मनुष्य परमेश्वर की आत्मा की बातें नहीं, बल्कि ग्रहण करता है। मुझे उम्मीद है कि आप स्वीकार करेंगे कि आप एक पापी हैं।

मुझे इसकी याद दिलाने के लिए उसकी ज़रूरत नहीं है। मैं यह जानता हूँ। स्वीकार करें कि आप उसकी शक्ति के अधीन एक पापी हैं ताकि आपकी आँखें खुल जाएँ और आप शैतान की शक्ति से अंधकार से प्रकाश की ओर और परमेश्वर की ओर मुड़ जाएँ।

आप पापों की क्षमा और उनके बीच विरासत प्राप्त कर सकते हैं, जो मसीह में विश्वास द्वारा पवित्र किए जाते हैं। एक बार जब परमेश्वर आपको पश्चाताप और सत्य को स्वीकार करने की ओर ले जाता है, तो वह आपको दिखाएगा कि कैसे हर समय आपको धोखा दिया गया है और आप कैसे पाप के बंधन में रहे हैं। साथ ही, जिस चर्च से आप संबंधित हैं, यहाँ हम जाते हैं, वह परमेश्वर की बुद्धि पर नहीं बल्कि मनुष्य की बुद्धि पर आधारित है।

हालाँकि, मैं जो सुसमाचार प्रचार करता हूँ वह मनुष्य के पीछे नहीं है। न ही मुझे इसे सिखाया गया था, लेकिन यीशु मसीह के रहस्योद्घाटन से, मैं अपने प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह, एंडी वंडेनबर्ग के प्रेम और सेवा में आपके किसी भी प्रश्न का उत्तर देने के लिए तत्पर हूँ। अब, मैं उस पर आपत्ति कर सकता था।

मैंने वास्तव में ऐसा नहीं किया। लेकिन हो सकता है कि मैंने ऐसा किया हो। फिर मैंने पैकेट को देखा, और उसमें सच्चे चर्च, अपने चर्च की तुलना अन्य चर्चों से करने के बारे में सारी बातें लिखी थीं।

लेकिन फिर उसने मुझे वे सारे पत्र दिखाए जो उसने दूसरे लोगों को लिखे थे। तब मुझे पता चला कि मैं अच्छी संगति में हूँ। उसने बिली ग्राहम को एक पत्र लिखा और एक सैनिक के तौर पर मुझे उस पत्र की एक प्रति भेजी।

तो, यहाँ वह है जो उसने बिली ग्राहम से कहा। फिर मैंने सोचा, ओह, अगर बिली ग्राहम को इस आदमी से एक पत्र मिलता है और मुझे मिलता है, तो मुझे इस बारे में अच्छा लगेगा। मेरे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के लिए एक सैनिक के रूप में, यह बिली ग्राहम के लिए है, मुझे न केवल अस्वीकार कर दिया गया है, जैसा कि उन्हें किया गया था, घृणितता के लिए सताया जा रहा है, बल्कि, इस दुनिया के धार्मिक अधिकारियों द्वारा सबसे अधिक नफरत की गई है, शैतान का गढ़, जो उसके शिष्य होने का दावा करते हैं लेकिन मेरे जैसे 38 वर्षों तक धोखा दिया गया है।

परमेश्वर का धन्यवाद हो जिसने मुझे इतनी बड़ी गहराई से बचाया और अब अपने चुने हुए समय पर अपने सुसमाचार के गहरे-छिपे रहस्यों को मुझ पर प्रकट किया है। जब से यीशु मसीह के प्रकाशन द्वारा मुझे सत्य का ज्ञान हुआ है, मेरी आँखें खुल गई हैं। उसने मुझे अंधकार से प्रकाश में, शैतान की शक्ति से परमेश्वर में, अर्थात् पश्चाताप में बदल दिया है।

इसका मतलब यह भी है कि भगवान ने मुझे इस दुनिया की शक्ति का पता दिया, एक ऐसी दुनिया जिसके अधीन मैं 38 साल तक रहा और जिसकी मैंने सेवा की। जब से उसने मुझे अपना बेटा कहा है, उसने मुझे ज्ञान का उपहार दिखाया है, और मैं अच्छे और बुरे के बीच का अंतर जानता हूँ। हाँ, श्री ग्राहम, आप खुद शैतान के सेवक हैं और उन लोगों की सेवा करते हैं जो स्वभाव से भगवान नहीं हैं और मसीह के नाम का व्यर्थ उपयोग करते हैं।

जब तक आप पश्चाताप नहीं करते, आप अपने पापों में और बुराई की शक्ति के अधीन मर जाएँगे। शैतान ने आपको मसीह के प्रेरित में बदल दिया है, जबकि सच्चाई में, आप इस ब्रह्मांड की शासक आत्मा की सेवा करते हैं। स्वभाव से, आप अभी भी मानते हैं कि पाप एक वेश्या शराबी या नशे की लत की तरह एक कार्य है, जबकि यह हर पुरुष, महिला और बच्चे का फल है।

आप यह नहीं जानते, क्योंकि आप स्वयं एक प्राकृतिक मनुष्य थे और पाप और शैतान की शक्ति के अधीन थे। इसलिए आपको बदलना और पश्चाताप करना चाहिए, एक नया मनुष्य बनना चाहिए और फिर से जन्म लेना चाहिए। अपनी हाल की यात्राओं के दौरान, मैं आपके तथाकथित धर्मयुद्धों में से एक में बदल गया, और वहाँ मौजूद सभी लोगों को धोखा दिया।

यह कितना शैतानी है, आप अपंगों और विकलांगों को कैसे लपेटते हैं, कैसे लोग उनकी सराहना करते हैं जबकि वे अपने ईश्वर के साथ अपने रिश्ते के बारे में बताते रहते हैं। ओह, यह पढ़ने के लिए बहुत लंबा है। ठीक है, तो यह सिर्फ पेज एक है, और यह तीन पेजों तक जाता है।

और फिर बिली ग्राहम इवेंजलिस्टिक एसोसिएशन ने बिली के साथ मिलकर इसे पकड़ लिया। डेव विल्करसन, आप जानते हैं कि डेव विल्करसन कौन हैं? डेव विल्करसन टीन चैलेंज के संस्थापक थे। उन्होंने इसे पकड़ लिया।

जिमी स्वैगार्ट, हम शुक्रवार को उसे टेप पर देखने जा रहे हैं, और उसने इसे पकड़ लिया। फेथ टैबरनेकल, मुझे नहीं पता कि वह कहाँ है। मुझे खेद है, मैं यहाँ अपनी आवाज़ खो रहा हूँ।

और हैलिफैक्स, नोवा स्कोटिया के कैथोलिक आर्कबिशप ने भी इसे पकड़ा। तो यह बहुत करीब है। अब, क्या आपको पता है कि मैं विमान में लोगों से बात क्यों नहीं करता? मैं अपनी किताबें पढ़ता हूँ, और मैं खुश हूँ।

तो अब, इस बीच, मेरी आवाज़ चली जा रही है। इसलिए, जब हम बुधवार और शुक्रवार को वापस आएंगे, तो हम वीडियो देखेंगे। हम अगले सोमवार को व्याख्यान शुरू करेंगे।

आपका दिन शुभ हो।

यह डॉ. रोजर ग्रीन द्वारा अमेरिकी ईसाई धर्म पर दिया गया उपदेश है। यह सत्र 26, कट्टरवाद, भाग 2 है।